अमर उजाला
उत्तर प्रदेश
लखनऊ
शनिवार, 2 जून 2018
राजधानी
वर्ष 10 | अंक 333 | पृष्ठ : 20+8=28
मूल्य : तीन रुपये
7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण

प्रवर्तन निदेशालय ने की स्टर्लिंग ग्रुप की 4700 करोड़ की संपत्ति जब्त

बैंक धोखाधड़ी

लखनऊ की सरजमीं..

हर-चंद लाख तरह
भुलाता हूं याद को
'अख्तर' पुकार उठता है
दिल हाए लखनऊ

- वाजिद अली शाह अख्तर

...यूं बदली आलीशान रोशनुद्दौला कोठी की सूरत

धरोहर

1827 से 1837 तक अवध के नवाब नासिरुद्दीन हैदर के वजीर-ए-आलम रोशनुद्दौला द्वारा निर्मित कराए जाने के कारण इस आलीशान कोठी का नाम रोशनुद्दौला कोठी हो गया। हालांकि नवाब वाजिद अली शाह ने इसका नाम बदलकर कैसर पसंद और माशूक मंजिल कर दिया था। माशूक मंजिल इसलिए कि कैसरबाग को संवारते वक्त उन्होंने इसकी मरम्मत कराकर इसे अपनी बेगम माशूक महल को दे दिया था। नवाबी दौर के बाद इस प्रसिद्ध ऐतिहासिक भवन की स्थिति काफी खराब हो चली थी, लेकिन अब कोठी की सूरत बदल रही है। इसके बाहरी हिस्से को संवारा जा चुका है और अंदर के हिस्से पर काम चल रहा है।

तब

रोशनुद्दौला ने भवन का निर्माण काफी खूबसूरती से कराया था और इसके वास्तुशिल्प में मुगल और यूरोपियन स्थापत्य कला का मिलाप है। लेखक योगेश प्रवीन बताते हैं कि इस पर सुनहरा छत्र बनाया गया था और यह कोठी गुंबद वाले मीनारों से सजी रही है। इसमें सज्जा संतुलन के लिए एक ओर असली और दूसरी ओर नकली मस्जिद बनाई गई।

अब

इनोवेशन फॉर लाइफ

दिव्यांग बच्चों के लिए बनाई खास वॉकिंग स्टिक

दिव्यांग बच्चों को आने-जाने में होने वाली दिक्कतों को देखते हुए स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज की बीटेक थर्ड ईयर की दो छात्राओं ने एक खास वॉकिंग स्टिक इजाद की है। स्टिक सेंसर के साथ जीपीएस व वेब कैम से लैस है, जो न देख पाने वाले बच्चों के लिए काफी सहायक होगी। छात्रा एकता कीर्ति सिंह ने बताया कि कई बार देखा कि दिव्यांग बच्चों को सड़क पार करने में काफी दिक्कत होती है। कई बार वे रास्ता भी भटक जाते थे। इसे देखते हुए मैंने अंकिता के साथ मिलकर ये खास 'वॉकिंग स्टिक फॉर ब्लाइंड' बनाई, जो तकनीक से लैस है। इसके माध्यम से सामने आने वाली चीजों का संकेत मिल जाता है। दिव्यांग अगर रास्ता भटक जाए तो इसमें लगे जीपीएस के माध्यम से परिवारीजनों को मोबाइल पर इसकी सूचना मिल जाएगी। घर के लोग उसे सही दिशा दिखा सकते हैं। इस स्टिक को बनाने में करीब 3000 रुपये का खर्च आएगा। इसे एकेटीयू के स्टार्टअप परिक्रमा में काफी सराहा गया।

आइए, शूटिंग के लखनवी ठिकानों की करें सैर

जायका और सैर-सपाटे के अलावा शहर शूटिंग के लिए भी मशहूर है। यहां कई ऐसे ठिकाने हैं, जहां आए दिन कलाकारों की दौड़-भाग, उछल-कूद, नाच-गाना होता रहता है। वैसे शूटिंग तो शहर में अरसे से होती आई है, लेकिन तब पुराने लखनऊ की गिनी-चुनी लोकेशन के ही दीदार बड़े पर्दे पर होते थे। लेकिन अब बदलाव के चलते नए लखनऊ, ट्रांसगोमती और आसपास के सटे कस्बाई इलाकों में भी लाइट... कैमरा... एक्शन... की आवाज आए दिन सुनाई पड़ जाती है। शहर की ये नई-पुरानी लोकेशन फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बनी हुई है।

यहां आए दिन होती है शूटिंग

1 पुराना लखनऊ

इमामबाड़ा, रूमी गेट, पक्का पुल, कुड़ियाघाट, हेरिटेज जोन, सतखंडा, घंटाघर, शीशमहल, शीशमहल तालाब, चौक-चौपटियां की गलियां। लाल बारादरी, सफेद बारादरी, कैसरबाग गेट, रेजीडेंसी, लाखी दरवाजा, छतर मंजिल, कैसरबाग चौराहा, सआदत अली खां का मकबरा, भातखंडे, लविवि के अलावा सफेद बारादरी के नजदीक आधा दर्जन से अधिक पुरानी कोठियां।

2 नई लोकेशन

लोहिया पार्क, जनेश्वर मिश्र पार्क, अंबेडकर स्मारक, मरीन ड्राइव, रिवर फ्रंट, 1090 चौराहा, ला-मार्टीनियर ग्राउंड, दिलकुशा गार्डन और गोमा से सटे इलाके। ये सारी लोकेशन फिल्म निर्माता-निर्देशक, कलाकार की पहली पसंद हैं। इनके साथ ही कुकरैल के जंगल, वास्तुकला के लिहाज से नई हाईकोर्ट बिल्डिंग, मल्हौर के कुछ कॉलेज, चारबाग रेलवे स्टेशन और मेट्रो स्टेशन भी फिल्म निर्माताओं की लोकेशन लिस्ट में शामिल हो गए हैं। नक्खास, सदर, काकोरी की हवेलियां, मोहनलालगंज से लगी पुरानी रियासतों के महल भी बेहतरीन लोकेशन में शुमार हैं।

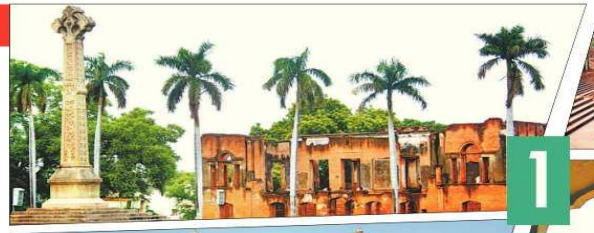

1

2

इन फिल्मों में दिखता है लखनऊ

70 के दशक में संजीव कुमार स्टारर 'शतरंज के खिलाड़ी' में लखनऊ नजर आने के बाद सनी देओल की 'गदर' में शहर की कई लोकेशन बड़े पर्दे पर नजर आईं। रिक्शा चेजिंग सीन ने लखनऊ दर्शन करवाया तो कोठियों में भीतर की शूटिंग और लामार्ट में हैंडपंप उखाड़ने का सीन काफी चर्चा में रहा। इसके बाद तो सैफ अली खान की 'बुलेट राजा', राजपाल यादव की 'पति-पत्नी और वो', अजय देवगन की 'ओमकारा', हॉलीवुड की 'मिलियन डॉलर आर्म', परिणति चोपड़ा की 'दावत-ए-इश्क', अक्षय कुमार की 'जॉली एलएलबी-2', अजय देवगन की 'रेड', श्रुति हसन-राजकुमार राव की 'बहन होगी तेरी...', सलमान की 'दबंग-2' के अलावा भोजपुरी और क्षेत्रीय भाषा की दर्जनों फिल्मों और सीरियलों में लखनऊ दिखा। इसके अलावा आने वाली 'मिलन टॉकीज', 'मुल्क' समेत कई फिल्मों में लखनऊ नजर आएगा।

जून से गूंजेगा लाइट... कैमरा... एक्शन...

जून से राजधानी में लाइट... कैमरा... एक्शन... की गूंज सुनाई देने लगेगी। शूटिंग का यह सिलसिला करीब तीन महीनों तक चलेगा। जून के पहले सप्ताह में तेलगू मूवी 'प्रस्थानम्' की हिंदी रीमेक की शूटिंग शुरू होगी, जिसमें संजय दत्त, जैकी श्राफ, अली फजल समेत कई कलाकार शहर की तमाम लोकेशन पर नजर आएंगे। इसके अलावा बाराबंकी, काकोरी और रायबरेली से सटे रिसोर्ट में भी फिल्म के कई दृश्य फिल्माए जाएंगे।

जुलाई में फिल्म 'चीट' की शूटिंग में इमरान हाशमी पॉश इलाकों सहित पार्क, बड़े होटलों में शूटिंग करते नजर आएंगे। वहीं, दक्षिण भारत की मूवी के लिए शहर में लोकेशन की रेकी और लोकल कलाकारों का ऑडिशन जारी है। बरसात के आसपास इसकी शूटिंग शुरू होने के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि शहर के वरिष्ठ कलाकारों के मुताबिक न फिल्म के बैनर का पता है न कलाकारों का, ऐसे में लोकल कलाकार जुड़ने से बच रहे हैं। हालांकि फिल्म के लिए शहर के करीब 150 लोग ऑडिशन दे चुके हैं।